मुर्गी और मगर

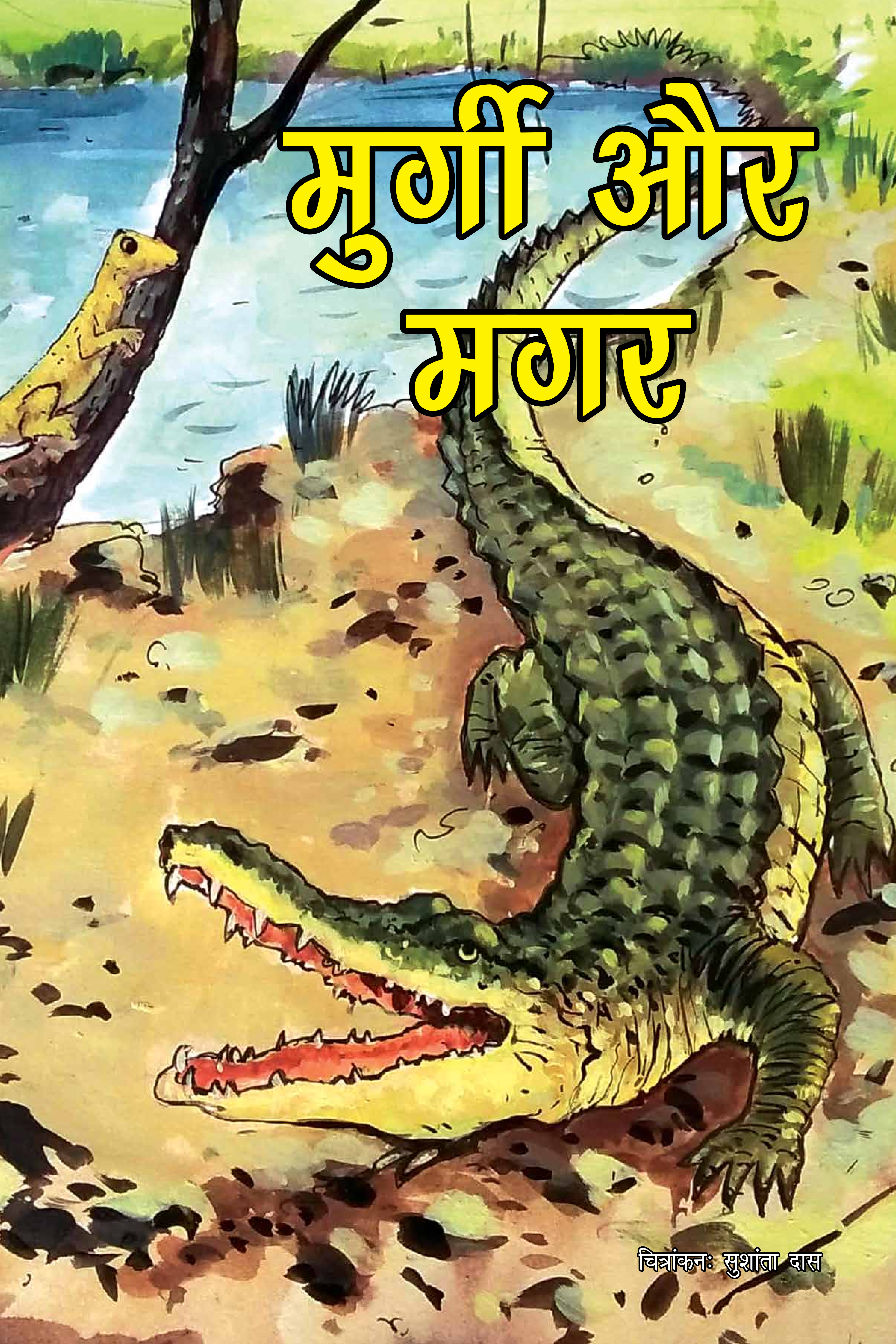

चित्रांकनः सुशांता दास

किताब के बारे में:

यह लोक कथा/कहानी उत्तर प्रदेश के ललितपुर ज़िले में प्रचलित है। यह बड़ी किताब बुन्देली और हिंदी भाषा में उपलब्ध है। एल.एल.एफ. के 'स्थानीय भाषा सामग्री विकास कार्यक्रम' के तहत यह सामग्री विकसित की गई है। बुन्देली भाषा सामग्री के एकत्रण, चयन, अनुवाद, सम्पादन करने एवं अवधारणा में ललितपुर ज़िले के शिक्षकों और शिक्षिकाओं की सहभागिता रही है।

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

एल.एल.एफ के बारे में:

नई दिल्ली स्थित लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) शैक्षिक संस्था के तौर पर प्रारम्भिक भाषा शिक्षण से जुड़े आयामों पर काम कर रही है। बहुभाषी शिक्षण के तहत शुरूआती कक्षाओं में बच्चों की घर की भाषा में विकसित पठन सामग्री की भूमिका अहम होती है। यह कार्यक्रम क्षेत्रिय भाषा की विषयवस्तु पर आधारित एक पहल है।

मुर्गी और मगर

चित्रांकनः सुशांता दास

एक हती मुर्गी।
ऊखों प्यास लगी।

बा नदी में पानी पियन लगी।
नदी में एक मगरमच्छ रत हतौ।

मगरमच्छ ने कही,
"हम तुम्हें खा जें।"
मुर्गी डरा गई।

बा बोली, ‘‘हमें छोड़ दो, हम तो तुमाई बहन हैं।’’ मगरमच्छ ने मुर्गी खों जान दओ।

मगरमच्छ सोचन लगे, “हमने मुर्गी खों काय जान दओ?”

तबई उतै एक
छिपकली आई।

मगरमच्छ ने छिपकली से पूँछी, ‘‘बताओ, मुर्गी हमार्य बहन कैसे हो गई?’’

छिपकली बोली, ‘‘तुम और मुर्गी दोई जनें अण्डन से पैदा भये हो। सो तुम दोई आपस में भइया-बहन हौ।’’

मुर्गी और मगर

एक हती मुर्गी। ऊखों प्यास लगी। बा नदी में पानी पियन लगी। नदी में एक मगरमच्छ रत हतौ। मगरमच्छ ने कही, "हम तुम्हें खा जें।" मुर्गी डरा गई। बा बोली, "हमें छोड़ दो, हम तो तुमाई बहन हैं।" मगरमच्छ ने मुर्गी खों जान दओ।

मगरमच्छ सोचन लगे, "हमने मुर्गी खों काय जान दओ?" तबई उतै एक छिपकली आई। मगरमच्छ ने छिपकली से पूँछी, "बताओ, मुर्गी हमार्य बहन कैसे हो गई?" छिपकली बोली, "तुम और मुर्गी दोई जनें अण्डन से पैदा भये हो। सो तुम दोई आपस में भइया-बहन हौ।"

मुर्गी और मगर

एक थी मुर्गी। उसे प्यास लगी। वह नदी में पानी पीने लगी। नदी में मगरमच्छ रहता था। मगरमच्छ ने कहा, "मैं तुम्हें खाऊँगा।" मुर्गी डर गई।

वह बोली, "मुझे छोड़ दो। मैं तो तुम्हारी बहन हूँ।" मगरमच्छ ने मुर्गी को जाने दिया। मगरमच्छ सोचने लगा, "मैंने मुर्गी को क्यों जाने दिया?" तभी वहाँ एक छिपकली आई।

मगरमच्छ ने छिपकली से पूछा, "बताओ मुर्गी हमारी बहन कैसे हो गई?" छिपकली बोली, "तुम और मुर्गी दोनों अण्डे से पैदा हुए हो। सो तुम आपस में बहन भाई हुए।"

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

TATA TRUSTS